

Pankaj Kumar Badal

25/1/2025, 1:48:32

PM

(81) प्राप्ति का दर प्राप्ति विवरण दर
प्रति दर प्राप्ति विवरण इसका दर
प्राप्ति विवरण प्रति दर प्राप्ति विवरण का दर
start from here.

Start from here.

पर इकाई तक की विवरणीय विवरणीय विवरणीय विवरणीय विवरणीय विवरणीय

ગુરુ દેવ શ્રી મહાત્મા દાંદાન એ પ્રદાન

पाप हे प्राप्तिकार उ. पाप ही कृपाकार
अनुदेश 14-18 स्वप्नालय तरी 3950.

19-22 नि. प्रेस्टिज. की पर्याप्ति १/अष्ट

~~सरावन उत्तरा १०° T₅~~ क्षेत्र सप्तम द्वि लिंगिक

~~2214~~ ? ~~2215~~ ? ~~2216~~ ? ~~2217~~ ? ~~2218~~ ? ~~2219~~ ? ~~2220~~ ?

~~अत्र अस्ति विद्या विद्याम् विद्या विद्या विद्या~~

~~संपर्क दें ? उमा तो मैंगी थी बुद्धि~~

~~प्राप्ति विद्या~~

ਪ੍ਰਾਚੀ ਪ੍ਰਤਿ ਕਾ ਵਿਅ

गान्धी द्वारा प्रदत्त अंग गान्धी 3179245 ५ अ

ଅଭିଭ୍ୟାସ କରିବାକୁ ପାଇଁ ଏହାକିମ୍ବାନ୍ତିରେ କିମ୍ବାନ୍ତିରେ

ଲାଭ୍ୟ କୁଣ୍ଡଳ ଦୂରୀ ଲାଭ୍ୟ କୁଣ୍ଡଳ

~~କ୍ଷେତ୍ର ଅନୁମତି ପାଇଁ, କ୍ଷେତ୍ର ଅନୁମତି ପାଇଁ~~

~~आदार पर नियमों का तात्परा/लक्ष्य~~

સ્વાત્મક વિદેશીય હું, મારી લગ્નાની એ જરૂરિ

असार, गुजरात ३८५२ अमिताल देवा।

अब, प्रयोग पूर्ण है तभी
हमें महिलाओं से अन्य
सुना करना चाहिए जो हमारी आवश्यकता
है। [कृषि के अर्थमें ही लोकों के बीच
विवरण, दुनिया के कोनोंको हमारी आवश्यकताओं की
महिलाओं की जुँड़ी है और अपनी जीवन
जीवन अपने उद्योग के लिए अन्य जीवों की
लोकों की समाज की विभिन्नता ही नहीं देती
जाता है। इसी दौरान महिला अधिकार का
उद्योग जल्दी अपनी जीवन की जटिलता
की जो जरूरी है।]

क्षितिज पूर्ण समाजता

की छह की उठाता है, पूरी दुनिया
में विवरण, समाजता, विश्ववेद की,
विचार की कलाने वाली ज्ञानीय दृ
महिलाओं की उपर्युक्ती की महफिज
का अधिकार निला है। भास्तव, ये
समाज इस दृष्टि समाज की तर ये
भास्तव लोकों जोड़ता अपनी आवश्यकता
की दृष्टि समाज की दृष्टि है। लोकों
की दृष्टि समाज की दृष्टि है। लोकों

ਮहिलाओं की मारीबरी, 2022-23 के

अनुसूची की अक्षय, दृष्टि 37% है।

इसमें महिलाएँ होती हैं 24% तक 24% है।

ग्रामीण जाति की 41.5%। इनमें से

से भूमि की विधि होने का दर्शक है।

ग्रामीण जाति की महिलाओं की विधि 32%

जून की जिन दृश्यों से होती है। जून महिलाओं

में से ज्ञानी दृष्टि दर्शक दर्शक

कामी का विवर है जो जापानी दृष्टि

उपरांत होती विधानी विधानी दृष्टि, शिक्षा

अंग्रेजी विधानी दृष्टि की महिलाओं

का विवरित दृष्टि दृष्टि होता है लैटिन

उपरांत शिक्षण दृष्टि दृष्टि दृष्टि

विवर दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

शिक्षण दृष्टि दृष्टि दृष्टि

दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

अनुसूची - 21 प्रभास्ति दृष्टि दृष्टि

दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

लिंग शान्ति - परिवर्तन के दृष्टिकोण

प्राचीनों से प्रति अवधि का ही लेता
है परिवर्तन के पुढ़ेरे नियमों का दृष्टिकोण
योग है जो कि इसके अवधि
प्रतीत करना पड़ता है। इस परिवर्तन
के लिए शृणु शब्द ये एक
शब्द है —

‘परिवर्तन’
‘विनियोग’
‘किसी इन दार्शनिकों के लिए वलीता
किसी दृष्टि की हो वालीता— — — ।

अधिकार दाहिलार्थ 374-

जीवन के क्रमान्वय करने के लिए उपलब्ध
रहे हैं। उन्हें नहीं लगते कि गोपनीय
पाप कि आपातक व्यवहार है। कुछ
दृष्टि ही हाल अन्य गोपनीय के लिए उपलब्ध
का ही उपाय है। अपने अपने अपने
के आवार पर गुरुभाव होता है।

प्रति अवधि अपनी

जीवनी गाहरी कर तुड़ी है

जीवनी गाहरी गाहरी है शान्ति

जीवनी है, जीवनी शान्ति

समाजता अ१९८५ भारतीय क्रान्ति द्वं जन्मा

अपने होती है।

इन सभी समाजों में

जन-विषयी द्वं लाने रखा इसी द्वं अधिकार
में प्राप्त हुई नारीवाद में उपलिखी

प्रेरित नारीवाद अपने ३९३८ में ५९१९४

नहीं है। नारीवाद के क्षेत्र घटक

मानिलालों के लिये बहावी की दोषों का
क्षेत्र क्षेत्र घटक अतिवाही ३९३८ में
है। पुरुष विवेच की अ१९८५ पलीगती
है।

पुरुष विवेच की ५१७५ उआचार पर

मौलिक ५१८८ ५१९४ ३१८ ५१९५

मौलिक पाय ५१९४८१० ५१९५

मौलिक कर्ती है। ५१९५ -पाय

लाली द्वंगव. है ५१९४ समाज में सम्मत

५१९५ (लाली, पुरुष द्वंगव अ१९८५) का समाज

क्षेत्र में द्वंगविकास है।

५१९३८, शिला, राजगढ़,

राजनीतिक प्रतिविधिव. मामानिक प्रतिपक्ष,

इत्यादि में समाजता है। इन जन की

अप्तः गुरुवारा अस्त्र संग्रहालय
गोमांस द्वारा अस्त्र संग्रहालय
पहचान नियन्त्रण की जाएगी।
“अस्त्र अकाल इतना अ-पाप हर व्यक्ति
-पाप के लिये मतदान की” — बाहें उन्हें

23/10/14

(2) मार्दिला दर्शनीयता (प्रतिक्रिया प्रक्रिया) का
कृतिगत स्थानपत्र के क्षेत्र तुलना के बाय
तनाव को दर्शा करते हैं। A/B/C D/E

संवा माता जाता है कि फ़िक्र त
सुनिए को अपना लें, सभी जीवों को
बनाया। इन जीवों में प्रतिप्रभ भी हैं।
सभी जीवों को सुधार अधिकार प्राप्त
है और इनका प्राप्ति अधिकार उन्हें देता है।
इन प्राप्ति अधिकारों को प्राप्ति अधिकार
में जाता है, जिसे विकास
स्थानपत्र विकास वापिल है। लेकिन
प्रतिप्रभ के हैं प्रत्यक्ष लिंग, जो आप्रभ
द्वारा दीने की शक्ति, स्थानपत्र विकास के लिए
प्राप्त रही है। इसका प्रत्यक्ष कारण है
प्रतिक्रिया।

प्रतिक्रिया का विवेचन अथवा
प्रति का विवेचन। यह वित्त, अस्थाय

कुछ दो एवं विवेचन होता है। जिसकी
कृति विवेचन होती है जिसकी विवेचन
कुछ दो एवं विवेचन होती है जिसकी विवेचन
कृति विवेचन होती है। साथ ही यह कृति विवेचन

का निर्देश तक है ५८१-३८१८८

परं लेकर विषय एवं विषय तक है

मानिलाजी के द्वाये महाप्रभु जीव हैं

प्रत्यक्षताकृपी यह होती है

श्रीभाष्टी विषय प्रत्यक्षता मानिलाजी के

विजनीलिङ्ग, आग्नेय, शास्त्राच्छाय इत्याजी के

विषय जीव एवं जीव विषय हैं।

जैसे शास्त्र विषय - विषय है। अवधि

के जैसे जीव है। ऐसे दो जीव हैं

जीव है। जब दो विषय अवधि विषय

जीव है तो जीव की की विषय है।

अतः विषय दो शैक्षणिक विषय है।

यद्युपि विषय है मानिलाजी यद्युपि विषय है।

अतः भारत के विषय विषय है।

क्षेत्र के विषय है। यह एक विषय है

विषय जीव है विषय जीव है।

अतः विषय विषय है जीव है।

विषय विषय है। विषय विषय विषय है।

जीव - विषय है। दो विषय हैं विषय है।

विषय विषय है।

मानसिक उत्तर कृष्णगढ़ उत्तर कृष्णगढ़ उत्तर कृष्णगढ़
उत्तर कृष्णगढ़ उत्तर कृष्णगढ़ उत्तर कृष्णगढ़ उत्तर कृष्णगढ़
पड़ा इसी शुरू से पहला कृष्णगढ़

~~इत्यरा श्रावण ग्रन्थले रहीपाठी~~

~~ये नि आमुल याहेत तरी~~

~~कृष्ण, बाबा मुसी तरी शास्त्र~~

~~हा शारदा उठते या कडे फर न~~

ਕੁਝ - ਕਿਵੇਂ ਕਿਸੀ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀ ਨੂੰ ਬੁਝਾ
ਜਾਂਦੇ ਹੋ

ਦੀਨੀ ਸਿਖਿਆ ਦੀ ਗੁਲਾ
ਕਿਵੇਂ ਹਰ ਦੇ ਜ਼ਖ਼ਵਾਹੀ ਸਾਡੀਅਤ
ਕੀ ਰਾਹ ਮਹਿਨਾਵਿੱਤ ਧਾਰਤੀ ਹੈ।
ਦੀਨੀ ਜ਼ਖ਼ਵਾਹੀ ਸਾਡੀਅਤ ਨਿਰੁਪਤ
ਕੀ ਨਿਧਾਰ ਲੀਤਾ ਹੈ। ਗੁਰੂ
ਓਦੇ ਅਤੇ ਸਾਡੀਅਤ ਕੀ ਆਨੰਦ
ਛੁਕਿਤ ਕਿਉਂ ਲੀਤਾ ਹੈ। ਗੁਰੂ
ਓਦੇ ਅਤੇ ਸਾਡੀਅਤ ਕੀ ਆਨੰਦ
ਖਾਲਿਤ ਪ੍ਰਭਾਵ ਤੇਜ਼ੀ ਦੀ ਵੇਖਾ
ਦੀ ਸਾਡੀਅਤ ਕਿਵੇਂ ਹੈ। ਗੁਰੂ
ਓਦੇ ਅਤੇ ਸਾਡੀਅਤ ਕੀ ਆਨੰਦ

ਗੁਰੀ - ਕੁਝ ਦੀ ਜਾਣ ਕੀ
ਗੁਰੀ ਕੀ ਸਾਡੀਅਤ ਨਿਰੁਪਤ
ਕੁਝ ਦੀ ਕੀ ਸਾਡੀਅਤ ਨਿਰੁਪਤ
ਗੁਰੀ ਕੁਝ ਕੀ ਸਾਡੀਅਤ ਨਿਰੁਪਤ
ਗੁਰੀ ਕੀ ਸਾਡੀਅਤ ਨਿਰੁਪਤ
ਗੁਰੀ ਕੀ ਸਾਡੀਅਤ ਨਿਰੁਪਤ
ਗੁਰੀ ਕੀ ਸਾਡੀਅਤ ਨਿਰੁਪਤ

५१ उदाहरण आपके साथ इसका
कुछ ही प्रमुख बहुत क्षेत्रों में
प्रयोग होता है।

आधुनिक विद्यकारी विज्ञान
विद्या का एक अभियान विद्या
विद्यालय विद्यालयों के लिए
प्रतिष्ठित है अतः विद्यालयों के द्वारा
जीव जटिल प्राणी जीवों की विद्या
विद्यालयों विद्यालयों की विद्या है।

विद्यालय विद्यालय विद्यालय

विद्यालय

विद्यालय विद्यालय

विद्यालय

विद्यालय